

“बिजनेस पोस्ट के अन्तर्गत डाक शुल्क के नगद भुगतान (बिना डाक टिकट) के प्रेषण हेतु अनुमत. क्रमांक जी.2-22-छत्तीसगढ़ गजट / 38 सि. से. भिलाई. दिनांक 30-05-2001.”



पंजीयन क्रमांक  
“छत्तीसगढ़/दुर्ग/09/2013-2015.”

# छत्तीसगढ़ राजपत्र

(असाधारण)  
प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 424]

रायपुर, मंगलवार, दिनांक 5 जुलाई 2022 — आषाढ़ 14, शक 1944

उच्च शिक्षा विभाग  
मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर

अटल नगर, दिनांक 28 जून 2022

## अधिसूचना

क्रमांक एफ 3-13/2022/38-2. — छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग, रायपुर के पत्र क्रमांक 682/पी.यू./एस.एण्ड.ओ./2011/17011, दिनांक 19-05-2022 द्वारा आई.सी.एफ.ए.आई. विश्वविद्यालय, ग्राम-चोरहा, आर.आई. सर्किल अहिवारा, तहसील-धमधा, जिला-दुर्ग के अनुगामी अध्यादेश क्रमांक 45 एवं 46 का अनुमोदन छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) अधिनियम, 2005 की धारा 29(2) के अधीन किया गया है।

- राज्य शासन, एतद्वारा, उपरोक्त अध्यादेशों को राजपत्र में अधिसूचित किये जाने की स्वीकृति प्रदान करता है।
- उपरोक्त अध्यादेश राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से प्रभावशील होंगे।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,  
भुवनेश यादव, सचिव.

## अध्यादेश क्रमांक – 45

### मास्टर ऑफ साईंस (एम.एससी.)

1. डिग्री का नाम: मास्टर ऑफ साईंस (एम.एससी.)
2. संकाय: मास्टर ऑफ साईंस (एम.एससी.) कार्यक्रम विज्ञान संकाय द्वारा संचालित किया जाएगा।
3. शैक्षणिक वर्ष: शैक्षणिक सत्र के दो सेमेस्टर होंगे। प्रथम सेमेस्टर जुलाई से दिसंबर एवं द्वितीय सेमेस्टर जनवरी से जून तक का होगा।
4. कार्यक्रम अंतराल:
  1. यह स्नातकोत्तर उपाधि दो वर्ष का होगा जो कि 4 सेमेस्टर (सत्र) में विभाजित रहेगा।
  2. इस मास्टर ऑफ साईंस (एम.एससी.) कार्यक्रम को पूर्ण करने हेतु अधिकतम अवधि 4 वर्ष की होगी। अधिकतम अवधि में अनुपस्थिति, विभिन्न प्रकार के अनुमति प्राप्त अवकाश, सम्मिलित होंगे किंतु निष्कासन की समयावधि सम्मिलित नहीं होगी।
5. प्रवेश की पात्रता
  1. मास्टर ऑफ साईंस (एम.एससी.) में प्रवेश के लिए न्यूनतम योग्यता प्रदेश सरकार/ राष्ट्रीय/ अंतर्राष्ट्रीय बोर्ड या विश्वविद्यालय से विज्ञान से संबंधित या प्रासंगिक विषयों में स्नातक की परीक्षा में उत्तीर्ण होना होगा।
  2. मास्टर ऑफ साईंस (एम.एससी.) पाठ्यक्रम में प्रवेश हर एक सत्र के शुरु में शैक्षणिक परिषद द्वारा निर्धारित दिशा निर्देश के अनुसार ही होगा। प्रवेश के नियम विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित किया जाएगा एवं ये नियम यू.जी.सी. / प्रदेश सरकार की नीतियों के अनुरूप होगा।
  3. विश्वविद्यालय, अन्य विश्वविद्यालय / संस्थानों से एम.एससी. पाठ्यक्रम में स्थानांतरित छात्रों को प्रवेश दे सकता है। ये प्रवेश किसी भी स्तर पर कार्यक्रम की अकादमिक आवश्यकताओं की पूर्ति होने पर किया जा सकेगा।
  4. विद्यार्थी के अध्ययन में असंतोषप्रद अथवा कदाचरण के आधार पर विश्वविद्यालय को यह अधिकार होगा कि वह किसी भी विद्यार्थी के प्रवेश को कभी भी समाप्त कर सकता है और उसे कुलपति के अनुमोदन से विश्वविद्यालय छोड़ने को कह सकता है।
6. सीट की संख्या
 

सीटों की संख्या विश्वविद्यालय के शैक्षणिक परिषद के अनुमोदन द्वारा निर्धारित की जाएगी।
7. पाठ्यक्रम शुल्क
 

पाठ्यक्रम शुल्क विश्वविद्यालय द्वारा छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के अनुमोदन के साथ किया जाएगा।

**8. परीक्षा**

1. विश्वविद्यालय सतत मूल्यांकन की पद्धति जिसमें विभिन्न प्रकार की परीक्षाएं, क्विज़ आदि शामिल होगा, जिससे विद्यार्थियों की अध्ययन में प्रगति का पता लग सके। सेमेस्टर के आखिरी में विद्यार्थी के प्रगति के मूल्यांकन के लिए अंतिम परीक्षा होगी।
2. सेमेस्टर के अंत में परीक्षा की परीक्षा योजना एवं सत्र के अन्दर होने वाली सारी परीक्षाओं का ब्यौरा विश्वविद्यालय द्वारा तैयार किया जाएगा।
3. संकाय के डीन / अकादमिक समन्वयक, विद्यार्थी को अंतिम परीक्षा में बैठने से निम्नलिखित कारणों से रोक सकते हैं:
  - a) विद्यार्थी के विरुद्ध अनुशासनहीनता की कार्यवाही के कारण
  - b) विभागाध्यक्ष या अकादमिक समन्वयक की अनुशंसा पर यदि व्याख्यान/ट्यूटोरियल/प्रयोगिकी कक्षाओं में विद्यार्थी की उपस्थिति, पैरा 10 में निर्धारित से कम हो, जो कि उपस्थिति से संबंधित है।
4. विश्वविद्यालय हर एक सेमेस्टर के अंत में नियमित छात्रों के लिए में सभी परीक्षाएं करवाएगा, इन परीक्षाओं में वे विद्यार्थी जो पिछले सत्र में किसी विषय में अनुत्तीर्ण हुए हो या पिछले सत्र की परीक्षा में भाग नहीं ले पाए थे वे भी इसमें भाग ले सकते हैं।
5. अगर कोई विद्यार्थी किसी भी सत्र में सभी विषयों में जो उसने इस सत्र में अध्ययन के लिए लिया है, उत्तीर्ण हुआ हो तो उसे दोबारा परीक्षा में उन्हीं विषयों में सिर्फ अंकों के बढ़ोतरी या अच्छे ग्रेड/डिवीज़न पाने के लिए ही बैठने नहीं दिया जाएगा।

**9. प्रगति का मूल्यांकन:**

- (a) विद्यार्थियों के अध्ययन की प्रगति सतत मूल्यांकन की पद्धति का पालन करते हुए अध्ययन मण्डल द्वारा निर्मित तथा शैक्षणिक परिषद द्वारा अनुमोदित पाठ्यक्रम के विभिन्न अवयवों द्वारा निर्धारित की जाएगी जिनमें विभिन्न टेस्ट एवं सेमेस्टर के अंत में होने वाली परीक्षा सम्मिलित है।
- (b) हर एक विषय में विद्यार्थी द्वारा अर्जित अंक, जो उसने विषय के विभिन्न अवयवों में प्राप्त किए हैं उसे जोड़ा जाएगा और कुल योग प्राप्त किया जाएगा, इस अंतिम योग के आधार पर ही उस विषय में विद्यार्थी के ग्रेड प्रदान किए जाएंगे।

**10. उपस्थिति:**

सेमेस्टर की अंतिम परीक्षा में बैठने हेतु विद्यार्थी को कार्यक्रम के सभी विषयों में अलग अलग में कम से कम 75 उपस्थिति देनी होगी किंतु विशेष परिस्थिति में विश्वविद्यालय के कुलपति 15% की रियायत दे सकते हैं।

**11. क्रेडिट के आधार पर ग्रेडिंग प्रणाली:**

1. हर विषय का भार क्रेडिट द्वारा दर्शाया जाएगा विषय के लिए क्रेडिट, शैक्षणिक परिषद एवं शासी निकाय द्वारा तय किए जाएंगे।

2. विद्यार्थियों को हर विषय में, जो कि उसने उस सत्र में अध्ययन के लिए लिया है, एक लेटर ग्रेड दिया जाएगा। यह लेटर ग्रेड उस विद्यार्थी द्वारा उस विषय में अर्जित कुल अंक के आधार पर निर्धारित होगा। कुल अंक के लिए सत्र में अर्जित सभी अंकों को जोड़ा जाएगा।
  3. शैक्षणिक परिषद यू.जी.सी. के चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली के दिशा निर्देशों के अनुसार ही लेटर ग्रेड प्रदान करने के लिए प्रणाली बनाएगी।
  4. हर विषय में सिर्फ लेटर ग्रेड ही दिया जाएगा।
  5. विद्यार्थी, पाठ्यक्रम में दर्शाए गए विषयों में पूरी क्रेडिट प्राप्त करेंगे, यह क्रेडिट उन्हें तभी मिलेगा, जब विद्यार्थी उस विषय में वैध ग्रेड प्राप्त करें। (किसी विषय में क्रेडिट पाने के लिए विद्यार्थी को कम से कम "पी" (पास) ग्रेड प्राप्त करना होगा)
  6. अगर कोई विद्यार्थी किसी विषय में किसी कारण "एफ" ग्रेड लाता है तो उस विषय में अनुत्तीर्ण माना जाएगा और विद्यार्थी को उस विषय में फिर से परीक्षा देनी पड़ेगी या विद्यार्थी चाहे तो उस विषय को फिर से पूरे सत्र में पढ़ सकता है।
  7. सेमेस्टर ग्रेड प्वाइंट एवरेज (SGPA), किसी भी सत्र में यू.जी.सी. द्वारा दिए गए निर्देशानुसार ही निकाली जाएगी। इसमें विद्यार्थी द्वारा इस सत्र में पढ़े गए विषय को ही लिया जाता है।
  8. संचयी ग्रेड प्वाइंट एवरेज (CGPA), किसी भी सत्र में यू.जी.सी. के दिए गए निर्देशानुसार ही निकाली जाएगी। इसमें विद्यार्थी द्वारा उस सत्र तक लिए गए सभी विषयों को सम्मिलित किया जाता है।
  9. हर सत्र के अन्त में ग्रेडशीट में SGPA एवं CGPA दशमलव के बाद 2 स्थान तक दर्शायी जाएगी।
  10. उपाधि लेने की पात्रता के लिए विद्यार्थी को कम से कम 4.50 CGPA प्राप्त करना अनिवार्य होगा।
  11. पाठ्यक्रम के अंतिम परीक्षा के बाद एक अंतिम अर्जित अंक तालिका (अंतिम ग्रेडशीट) दी जाएगी इसमें विषयों में अर्जित ग्रेड एवं अन्तिम CGPA दर्शायी जाएगी। यह CGPA का समतुल्य प्रतिशत क्या है उसे शैक्षणिक परिषद के सुझाव के अनुसार पाया जा सकता है।
- 12. अंकतालिका:**
- आखिरी अंक तालिका जो कि पाठ्यक्रम सफलता पूर्वक समाप्त होने के बाद विद्यार्थियों को दिया जाएगा उसमें सारे विषय जो कि विद्यार्थी ने अपने पाठ्यक्रम के पूर्ण अवधि में लिए हैं एवं विषयों में जो भी क्रेडिट एवं ग्रेड अर्जित किए हैं दर्शाए जाएंगे। हर एक सत्र का SGPA भी दिखाया जाएगा। अंतिम CGPA जो कि अर्जित किया गया है उसे भी दिखाया जाएगा इसमें विद्यार्थी किस श्रेणी में उत्तीर्ण हुआ है वह भी लिखा होगा।



## 13. कार्यक्रम की संरचना:

- (1) विश्वविद्यालय भौतिकी, रसायन, गणित, जीव-विज्ञान, अनुप्रयुक्त भौतिकी, परमाणु भौतिकी, अनुप्रयुक्त रसायन, अनुप्रयुक्त गणित, इंजिनयरिंग गणित, कम्प्यूटर साईंस, इलेक्ट्रॉनिक्स, सूक्ष्म जैविकी, एवं वानिकी विषयों में मास्टर ऑफ साईंस प्रारंभ कर सकेगी।
- (2) विश्वविद्यालय, औद्योगिक आवश्यकताओं के अनुरूप पैरा 13 (1) में दिए गए विषयों से संबद्ध, नए विषयों में एम.एससी. कार्यक्रम आरंभ करने हेतु अधिकृत होगा।
- (3) पाठ्यक्रम की रचना: पाठ्यक्रम एवं परीक्षा पद्धति की रचना संबंधित विभाग के पाठ्यक्रम समिति द्वारा की जाएगी जिसका अनुमोदन शैक्षणिक परिषद के द्वारा किया जाएगा।
- (4) परीक्षा पद्धति, मूल्यांकन प्रक्रिया एवं परीक्षाफल (लेटर ग्रेड का दिया जाना) – विश्वविद्यालय यू.जी.सी. द्वारा निर्देशित सापेक्ष ग्रेडिंग पद्धति को अपनाएगा और उसी का अनुसरण करेगा जो कि निम्नानुसार है:-

लेटर ग्रेड	आखिरी परीक्षाफल का वर्ग	ग्रेड के अंक
O	अति उत्कृष्ट	10
A+	उत्कृष्ट	9
A	अति उत्तम	8
B+	उत्तम	7
B	औसत से उपर	6
C	औसत	5
P	उत्तीर्ण	4
F	अनुत्तीर्ण	0
AB	अनुपस्थित	0

पुनश्च: कोई विद्यार्थी जिसने किसी भी विषय में -F ग्रेड पायी हो उसे उस विषय में अनुत्तीर्ण माना जाएगा और उसे उस विषय में फिर से परीक्षा देकर पास करना होगा।  
श्रेणी घोषित करने के लिए

CGPA	Division
$\geq 9.00$	प्रावीण्य
$\geq 6.5$ and $< 9.00$	प्रथम श्रेणी
$\geq 4.5$ and $< 6.5$	द्वितीय श्रेणी

**SGPA एवं CGPA**

SGPA सेमेस्टर में अर्जित ग्रेड अंकों का औसत

CGPA कुल अर्जित ग्रेड अंकों का औसत

SGPA एवं CGPA निकालने के तरीके

$$CGPA = \frac{u_1g_1 + u_2g_2 + u_3g_3 + \dots}{u_1 + u_2 + u_3 + \dots}$$

जिसमें  $u_1, u_2, u_3, \dots$  आदि हर एक विषयों को दिए गए क्रेडिट को दर्शाते हैं जो कि विद्यार्थी ने अध्ययन के दौरान ली हो। उसी प्रकार  $g_1, g_2, g_3, \dots$  आदि विद्यार्थियों द्वारा उन्ही विषयों में अर्जित ग्रेड के अंक CGPA के गणना में इस्तेमाल किया जाएगा। उसी प्रकार SGPA की गणना की जाएगी, पर इसमें सिर्फ विद्यार्थी द्वारा अध्ययन के लिए गए उसी सत्र में विषयों को सम्मिलित किया जाएगा और गणना की जाएगी। CGPA को अंक में बदलने के लिए प्रारूप

$$\text{अंक प्रतिशत में} = (CGPA - 0.5) \times 100$$

- (5) उपरोक्त के अतिरिक्त, विश्वविद्यालय यह सुनिश्चित करेगा कि एम.एससी. पाठ्यक्रम यू.जी.सी. या अन्य वैधानिक निकाय द्वारा निर्धारित मानदण्डों के अनुसार ही हो।
- (6) सामान्य: कार्यक्रम संरचना एवं पाठ्यक्रम से संबंधित सभी मामलों में कुलपति का निर्णय अंतिम माना जाएगा।
- (7) डिग्री प्रमाणपत्र एवं ग्रेड शीट, विश्वविद्यालय के अध्यादेश 16 में निर्धारित प्रारूप में उपयुक्त प्रविष्टियों के साथ होंगे।

\*\*\*\*\*

## अध्यादेश क्रमांक – 46

### मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी (एम.टेक.)

1. डिग्री का नाम: मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी (एम.टेक.)
2. संकाय: मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी(एम.टेक.) कार्यक्रम अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संकाय द्वारा संचालित किया जाएगा।
3. शैक्षणिक वर्ष: शैक्षणिक सत्र के दो सेमेस्टर होंगे।
4. कार्यक्रम अंतराल:
  1. यह स्नातकोत्तर उपाधि दो वर्ष का होगा जो कि 4 सेमेस्टर (सत्र) में विभाजित रहेगा।
  2. इस एम.टेक. कार्यक्रम को पूर्ण करने हेतु अधिकतम अवधि 4 वर्ष की होगी। अधिकतम अवधि में अनुपस्थिति, विभिन्न प्रकार के अनुमति प्राप्त अवकाश, सम्मिलित होंगे किंतु निष्कासन की समयावधि सम्मिलित नहीं होगी।
5. प्रवेश की पात्रता
  1. एम.टेक. के प्रथम वर्ष में प्रवेश के लिए न्यूनतम योग्यता प्रदेश सरकार/ राष्ट्रीय/ अंतर्राष्ट्रीय बोर्ड या विश्वविद्यालय से इंजिनयरिंग या टेक्नालॉजी से संबंधित या प्रासंगिक विषयों में स्नातक की परीक्षा में उत्तीर्ण होना होगा।
  2. एम.टेक. पाठ्यक्रम में प्रवेश हर एक सत्र के शुरू में शैक्षणिक परिषद द्वारा निर्धारित दिशा निर्देश के अनुसार ही होगा। प्रवेश के नियम विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित किया जाएगा एवं ये नियम यू.जी.सी./ अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (ए.आई.सी.टी.ई.) / प्रदेश सरकार की नीतियों के अनुरूप होगा।
  3. विश्वविद्यालय, अन्य विश्वविद्यालय / संस्थानों से **M.Tech.** पाठ्यक्रम में स्थानांतरित छात्रों को प्रवेश दे सकता है। ये प्रवेश किसी भी स्तर पर कार्यक्रम की अकादमिक आवश्यकताओं की पूर्ति होने पर किया जा सकेगा।
  4. विद्यार्थी के अध्ययन में असंतोषप्रद अथवा कदाचरण के आधार पर विश्वविद्यालय को यह अधिकार होगा कि वह किसी भी विद्यार्थी के प्रवेश को कभी भी समाप्त कर सकता है और उसे कुलपति के अनुमोदन से विश्वविद्यालय छोड़ने को कह सकता है।
6. सीट की संख्या  
सीटों की संख्या विश्वविद्यालय के शैक्षणिक परिषद के अनुमोदन द्वारा निर्धारित की जाएगी।
7. पाठ्यक्रम शुल्क  
पाठ्यक्रम शुल्क विश्वविद्यालय द्वारा छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के अनुमोदन के साथ किया जाएगा।

## 8. परीक्षा

1. विश्वविद्यालय सतत मूल्यांकन की पद्धति जिसमें विभिन्न प्रकार की परीक्षाएं, क्विज़ आदि शामिल होगा, जिससे विद्यार्थियों की अध्ययन में प्रगति का पता लग सके। सेमेस्टर के आखिरी में विद्यार्थी के प्रगति के मूल्यांकन के लिए अंतिम परीक्षा होगी।
2. सेमेस्टर के अंत में परीक्षा की परीक्षा योजना एवं सत्र के अन्दर होने वाली सारी परीक्षाओं का ब्यौरा विश्वविद्यालय द्वारा तैयार किया जाएगा।
3. संकाय के डीन / अकादमिक समन्वयक, विद्यार्थी को अंतिम परीक्षा में बैठने से निम्नलिखित कारणों से रोक सकते हैं:
  - a) विद्यार्थी के विरुद्ध अनुशासनहीनता की कार्यवाही के कारण
  - b) विभागाध्यक्ष या अकादमिक समन्वयक की अनुशंसा पर यदि व्याख्यान/ट्यूटोरियल/प्रयोगिकी कक्षाओं में विद्यार्थी की उपस्थिति, पैरा 10 में निर्धारित से कम हो, जो कि उपस्थिति से संबंधित है।
4. विश्वविद्यालय हर एक सेमेस्टर के अंत में नियमित छात्रों के लिए में सभी परीक्षाएं करवाएगा, इन परीक्षाओं में वे विद्यार्थी जो पिछले सत्र में किसी विषय में अनुत्तीर्ण हुए हो या पिछले सत्र की परीक्षा में भाग नहीं ले पाए थे वे भी इसमें भाग ले सकते हैं।
5. अगर कोई विद्यार्थी किसी भी सत्र में सभी विषयों में जो उसने इस सत्र में अध्ययन के लिए लिया है, उत्तीर्ण हुआ हो तो उसे दोबारा परीक्षा में उन्हीं विषयों में सिर्फ अंकों के बढ़ोतरी या अच्छे ग्रेड/डिवीज़न पाने के लिए ही बैठने नहीं दिया जाएगा।

## 9. प्रगति का मूल्यांकन:

- (a) विद्यार्थियों के अध्ययन की प्रगति सतत मूल्यांकन की पद्धति का पालन करते हुए अध्ययन मण्डल द्वारा निर्मित तथा शैक्षणिक परिषद द्वारा अनुमोदित पाठ्यक्रम के विभिन्न अवयवों द्वारा निर्धारित की जाएगी जिनमें विभिन्न टेस्ट एवं सेमेस्टर के अंत में होने वाली परीक्षा सम्मिलित है।
- (b) हर एक विषय में विद्यार्थी द्वारा अर्जित अंक, जो उसने विषय के विभिन्न अवयवों में प्राप्त किए हैं उसे जोड़ा जाएगा और कुल योग प्राप्त किया जाएगा, इस अंतिम योग के आधार पर ही उस विषय में विद्यार्थी के ग्रेड प्रदान किए जाएंगे।

## 10. उपस्थिति:

सेमेस्टर की अंतिम परीक्षा में बैठने हेतु विद्यार्थी को कार्यक्रम के सभी विषयों में अलग अलग में कम से कम 75 उपस्थिति देनी होगी किंतु विशेष परिस्थिति में विश्वविद्यालय के कुलपति 15% की रियायत दे सकते हैं।

## 11. क्रेडिट के आधार पर ग्रेडिंग प्रणाली:

1. हर विषय का भार क्रेडिट द्वारा दर्शाया जाएगा विषय के लिए क्रेडिट, शैक्षणिक परिषद एवं शासी निकाय द्वारा तय किए जाएंगे।

2. विद्यार्थियों को हर विषय में, जो कि उसने उस सत्र में अध्ययन के लिए लिया है, एक लेटर ग्रेड दिया जाएगा। यह लेटर ग्रेड उस विद्यार्थी द्वारा उस विषय में अर्जित कुल अंक के आधार पर निर्धारित होगा। कुल अंक के लिए सत्र में अर्जित सभी अंकों को जोड़ा जाएगा।
3. शैक्षणिक परिषद यू.जी.सी. के चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली के दिशा निर्देशों के अनुसार ही लेटर ग्रेड प्रदान करने के लिए प्रणाली बनाएगी।
4. हर विषय में सिर्फ लेटर ग्रेड ही दिया जाएगा।
5. विद्यार्थी, पाठ्यक्रम में दर्शाए गए विषयों में पूरी क्रेडिट प्राप्त करेंगे, यह क्रेडिट उन्हें तभी मिलेगा, जब विद्यार्थी उस विषय में वैध ग्रेड प्राप्त करें। (किसी विषय में क्रेडिट पाने के लिए विद्यार्थी को कम से कम "पी" (पास) ग्रेड प्राप्त करना होगा)
6. अगर कोई विद्यार्थी किसी विषय में किसी कारण "एफ" ग्रेड लाता है तो उस विषय में अनुत्तीर्ण माना जाएगा और विद्यार्थी को उस विषय में फिर से परीक्षा देनी पड़ेगी या विद्यार्थी चाहे तो उस विषय को फिर से पूरे सत्र में पढ़ सकता है।
7. सेमेस्टर ग्रेड प्वाइंट एवरेज (SGPA), किसी भी सत्र में यू.जी.सी. द्वारा दिए गए निर्देशानुसार ही निकाली जाएगी। इसमें विद्यार्थी द्वारा इस सत्र में पढ़े गए विषय को ही लिया जाता है।
8. संचयी ग्रेड प्वाइंट एवरेज (CGPA), किसी भी सत्र में यू.जी.सी. के दिए गए निर्देशानुसार ही निकाली जाएगी। इसमें विद्यार्थी द्वारा उस सत्र तक लिए गए सभी विषयों को सम्मिलित किया जाता है।
9. हर सत्र के अन्त में ग्रेडशीट में SGPA एवं CGPA दशमलव के बाद 2 स्थान तक दर्शायी जाएगी।
10. उपाधि लेने की पात्रता के लिए विद्यार्थी को कम से कम 4.50 CGPA प्राप्त करना अनिवार्य होगा।
11. पाठ्यक्रम के अंतिम परीक्षा के बाद एक अंतिम अर्जित अंक तालिका (अंतिम ग्रेडशीट) दी जाएगी इसमें विषयों में अर्जित ग्रेड एवं अन्तिम CGPA दर्शायी जाएगी। यह CGPA का समतुल्य प्रतिशत क्या है उसे शैक्षणिक परिषद के सुझाव के अनुसार पाया जा सकता है।

#### 12. अंकतालिका:

आखिरी अंक तालिका जो कि पाठ्यक्रम सफलता पूर्वक समाप्त होने के बाद विद्यार्थियों को दिया जाएगा उसमें सारे विषय जो कि विद्यार्थी ने अपने पाठ्यक्रम के पूर्ण अवधि में लिए हैं एवं विषयों में जो भी क्रेडिट एवं ग्रेड अर्जित किए हैं दर्शाए जाएंगे। हर एक सत्र का SGPA भी दिखाया जाएगा। अंतिम CGPA जो कि अर्जित किया गया है उसे भी दिखाया जाएगा। इसमें विद्यार्थी किस श्रेणी में उत्तीर्ण हुआ है वह भी लिखा होगा।

## 13. कार्यक्रम की संरचना:

- (1) विश्वविद्यालय सिविल इंजिनियरिंग, कम्प्यूटर साईंस इंजिनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड कम्यूनिकेशन इंजिनियरिंग एवं मेकेनिकल इंजिनियरिंग में मास्टर ऑफ टेक्नालॉजी प्रारंभ कर सकेगी।
- (2) विश्वविद्यालय, औद्योगिक आवश्यकताओं के अनुरूप पैरा 13 (1) में दिए गए विषयों से संबद्ध नए विषयों में एम.टेक. कार्यक्रम आरंभ करने हेतु अधिकृत होगा।
- (3) पाठ्यक्रम की रचना: पाठ्यक्रम एवं परीक्षा पद्धति की रचना संबंधित विभाग के पाठ्यक्रम समिति द्वारा की जाएगी जिसका अनुमोदन शैक्षणिक परिषद के द्वारा किया जाएगा।
- (4) परीक्षा पद्धति, मूल्यांकन प्रक्रिया एवं परीक्षाफल (लेटर ग्रेड का दिया जाना) विश्वविद्यालय यू.जी.सी. द्वारा निर्देशित सापेक्ष ग्रेडिंग पद्धति को अपनाएगा और उसी का अनुसरण करेगा जो कि निम्नानुसार है:-

लेटर ग्रेड	आखिरी परीक्षाफल का वर्ग	ग्रेड के अंक
O	अति उत्कृष्ट	10
A+	उत्कृष्ट	9
A	अति उत्तम	8
B+	उत्तम	7
B	औसत से उपर	6
C	औसत	5
P	उत्तीर्ण	4
F	अनुत्तीर्ण	0
AB	अनुपस्थित	0

पुनश्च: कोई विद्यार्थी जिसने किसी भी विषय में -F ग्रेड पायी हो उसे उस विषय में अनुत्तीर्ण माना जाएगा और उसे उस विषय में फिर से परीक्षा देकर पास करना होगा।

## श्रेणी घोषित करने के लिए

CGPA	Division
$\geq 9.00$	प्रावीण्य
$\geq 6.5$ and $< 9.00$	प्रथम श्रेणी
$\geq 4.5$ and $< 6.5$	द्वितीय श्रेणी

**SGPA एवं CGPA**

SGPA सेमेस्टर में अर्जित ग्रेड अंकों का औसत

CGPA कुल अर्जित ग्रेड अंकों का औसत

SGPA एवं CGPA निकालने के तरीके

$$CGPA = \frac{u_1g_1 + u_2g_2 + u_3g_3 + \dots}{u_1 + u_2 + u_3 + \dots}$$

जिसमें  $u_1, u_2, u_3, \dots$  आदि हर एक विषयों को दिए गए क्रेडिट को दर्शाते हैं जो कि विद्यार्थी ने अध्ययन के दौरान ली हो। उसी प्रकार  $g_1, g_2, g_3, \dots$  आदि विद्यार्थियों द्वारा उन्ही विषयों में अर्जित ग्रेड के अंक CGPA के गणना में इस्तेमाल किया जाएगा। उसी प्रकार SGPA की गणना की जाएगी, पर इसमें सिर्फ विद्यार्थी द्वारा अध्ययन के लिए गए उसी सत्र में विषयों को सम्मिलित किया जाएगा और गणना की जाएगी। CGPA को अंक में बदलने के लिए प्रारूप

अंक प्रतिशत में =  $(CGPA - 0.5) * 100$

- (5) उपरोक्त के अतिरिक्त, विश्वविद्यालय यह सुनिश्चित करेगा कि एम.टेक. पाठ्यक्रम ए.आई.सी.टी.ई., यू.जी.सी. या अन्य वैधानिक निकाय द्वारा निर्धारित मानदण्डों के अनुसार ही हो।
- (6) सामान्य: कार्यक्रम संरचना एवं पाठ्यक्रम से संबंधित सभी मामलों में कुलपति का निर्णय अंतिम माना जाएगा।
- (7) डिग्री प्रमाणपत्र एवं ग्रेड शीट, विश्वविद्यालय के अध्यादेश 16 में निर्धारित प्रारूप में उपयुक्त प्रविष्टियों के साथ होंगे।

\*\*\*\*\*

अटल नगर, दिनांक 28 जून 2022

क्रमांक एफ 3-13/2022/38-2. — भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में इस विभाग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 28-06-2022 का अंग्रेजी अनुवाद छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,  
भुवनेश यादव, सचिव.

Atal Nagar, the 28th June 2022

NOTIFICATION

No. F 3-13/2022/38-2. — Chhattisgarh Private Universities Regulatory Commission, Raipur vide its Letter No. 682/PU/S&O/2011/17011, Dated 19-05-2022 has approved the New Ordinance No. 45 and 46 of I.C.F.A.I University, Gram-Chorha, R.I. Circle Ahiwara, Tehsil-Dhamdha, District-Durg (Chhattisgarh), Under Section 29(2) of Chhattisgarh Private Universities (Establishment & Operation) Act, 2005.

2. The State Government, hereby, gives its approval for notification of these Ordinance in Official Gazette.
3. The above Ordinance shall come into force from the date of its publication in the official Gazette.

By order and in the name of the Governor of Chhattisgarh,  
BHUVANESH YADAV, Secretary.



## ORDINANCE No. 45

### Master of Science (M.Sc.)

1. **TITLE OF DEGREE:** Master of Arts - M.Sc.
2. **FACULTY:** This Postgraduate course of M.Sc. will be offered in the Faculty of Science.
3. **ACADEMIC YEAR:** There will be two semesters: First Semester – From July to December; Second Semester- From January to June.

#### 4. DURATION OF COURSE

- (1) The duration of the course will be two years divided into four semesters.
- (2) The maximum duration available to a student for completion of M.Sc. Course shall be four years. The maximum duration of the course shall include the period of withdrawal, absence and different kinds of leave permissible to a student but it shall exclude the period of Rustication if any.

#### 5. ELIGIBILITY FOR ADMISSIONS

- (1) The minimum qualification for admission to first year of M.Sc. curriculum shall be passing of Graduation from a recognized State/National/International University or equivalent thereto with science concerned or relevant subjects.
- (2) Admission to M.Sc. course shall be offered at the beginning of each session or as prescribed by the University, at the first year level. The admission policy shall be decided by the University/ in accordance with the guidelines issued by the UGC / the State Government.
- (3) The University may admit a student to M.Sc. course on transfer from other Institutes /Universities. Such admissions may be made at any level subject to fulfillment of the academic requirements of the University in respect of the program.
- (4) The University reserves the right to cancel the admission of any student and ask him /her to discontinue his / her studies at any stage of his /her career on the grounds of unsatisfactory academic performance or misconduct with the approval of Vice Chancellor.

6. **SEATS** The class will have 20 seats and multiple sections can setup.

#### 7. PROGRAM FEE

Program fee will be decided by the University with an approval of Chhattisgarh Private University Regulatory commission.

#### 8. EXAMINATIONS

- (1) The University shall adopt the system of continuous evaluation consisting of various tests, quizzes etc. to evaluate progress of the student. There shall be one End semester Examination for assessing the student's performance during the program of study.
- (2) The detailed examination scheme for End semester Examination as well as Progress various tests for all components of the curriculum shall be as laid out by the University in this regard.
- (3) A Student may be debarred from appearing in the End Semester Examination by the Dean of Faculty/Academic Coordinator due to any of the following reasons with the approval of Vice Chancellor:
  - (a) Disciplinary action taken against the student.
  - (b) On the recommendation of concerned Head of the department/Coordinator, if
    - (i) The attendance in the Lecture/Tutorial/Practical classes is below as prescribed in Para 10 related to attendance.
- (4) The University shall conduct full examination at the end of each semester for the regular students. The examination will also enable those students to appear in the theory / practical courses who may have failed or missed the previous semester examination.

- (5) If a candidate has passed a semester examination in full he / she will NOT be permitted to reappear in that examination for improvement in division marks / grades or any other purpose.

#### 8. EVALUATION (ASSESSMENT ) OF PERFORMANCE

- (a) The performance of a candidate in each semester shall be evaluated for each component of the curriculum separately following the system of continuous evaluation consisting of End Semester Examination and various tests. The maximum marks in each component of curriculum shall be as per the examination scheme designed by the Board of Studies and approved by the Academic Council.
- (b) All points (marks) obtained by a student in various components of evaluation in the subject will be summed up for award of grade.

#### 9. ATTENDANCE

Candidates appearing as regular students for any semester examination are required to attend at least 75 percent of the classes held separately in each subject of the course of study provided that the Vice Chancellor may relax 15% of attendance on the genuine ground.

#### 10. CREDIT BASED GRADING SYSTEM

- (1) Each course along with its weightage in terms of credits shall be recommended in the curriculum and Board of Studies and shall be approved by the Academic Council and Governing Body. Only approved courses can be offered during any semester.
- (2) Each student registered for a course, shall be awarded a letter grade. The letter Grade Awarded to a student shall depend upon his combined performance in the end semester examination and various other components of evaluation.
- (3) The letter grades to be used and their numerical equivalents called the Grade Points shall be as per the regulations framed by the Academic Council in this regard following the recommendations of UGC's Choice Based Credit System (CBCS)
- (4) Letter grades shall be awarded for each subject
- (5) A student shall earn all the credits allotted to a particular subject in the program structure of the course, if he/she obtains a valid grade. (at least "P", meaning pass in the subject).
- (6) A student receiving Grade "F" in a subject (course) shall be considered to have failed in that subject (course) and will be required to reappear in the examinations or repeat the subject (course) again.
- (7) The Semester Grade Point Average (SGPA) for a semester is a weighted average of course grade points obtained by a student in that semester. The SGPA for each semester shall be calculated as per UGC guidelines.
- (8) The Cumulative Grade Point Average (CGPA) is the weighted average of course grade points obtained by a student for all courses taken since his admission in the degree programme and reflects the cumulative performance of a student. The CGPA at the end of the semester shall be calculated as per UGC guidelines.
- (9) At the end of each semester, SGPA and CGPA shall be calculated up to two decimal places without rounding off.
- (10) For the award of degree a candidate should have secured minimum 4.5 CGPA.
- (11) The final examination grade sheet at the end of final semester examination of the course shall show the CGPA earned in the course. The CGPA can be converted into equivalent percentage marks as per the regulations framed by the Academic Council.

#### 11. TRANSCRIPT

The transcript issued to a student after completion of the course shall contain the consolidated record of all the subjects taken semester wise by the student, grades obtained in each subject, SGPA and CGPA of each semester and the final SGPA and CGPA. The transcript will also mention the division secured by the student.

## 12. PROGRAM STRUCTURE:

- (1) The University can introduce Master of Science (M.Sc.) course in Physics, Chemistry, Mathematics, Biology, Applied Physics, Nuclear Physics, Applied Chemistry, Applied Mathematics, Engineering Mathematics, Computer Science, Electronics, Microbiology and Forestry.
- (2) The University shall be authorized to offer M.Sc. course in subjects allied to the list provided in Para 12(1) as per the industry requirements.
- (3) Design of Curriculum: The curriculum and scheme of examination shall be designed by concerned Board of Studies and shall be approved by the Academic Council.
- (4) Scheme of Examination and Evaluation Procedure and award of letter grades:  
**Result (Awards of Letter Grades):** The University shall follow the relative grading system as recommended by the University Grant Commission (UGC) and the final letter grades obtained will be shown as follows:

Letter Grade	Classification of the final results	Grade Points
O	Outstanding	10
A+	Excellent	9
A	Very Good	8
B+	Good	7
B	Above Average	6
C	Average	5
P	Pass	4
F	Fail	0
AB	Absent	0

Note: A student obtaining grade 'F' shall be considered failed and will be required to reappear in the examination

## Allocation of Division

CGPA	Division
$\geq 9.00$	Distinction
$\geq 6.5$ and $< 9.00$	First Division
$\geq 4.5$ and $< 6.5$	Second Division

## Computation of CGPA and SGPA:

SGPA - Semester Grade Point Average

CGPA - Cumulative Grade Point Average

The following procedure will be used to compute SGPA and CGPA:

$$CGPA = \frac{u_1g_1 + u_2g_2 + u_3g_3 + \dots}{u_1 + u_2 + u_3 + \dots}$$

Where,  $u_1, u_2, u_3, \dots$  denotes the units credits associated with courses taken by the student and  $g_1, g_2, g_3, \dots$  denotes grade points of the letter grades awarded in respective courses.

Similarly, the SGPA indicates, the weightage average of the grade point of the students obtained in a particular semester only and the letter grades obtained in the subject (courses) in that semester enter in to SGPA computations.

**Conversion of CGPA to Marks:**

Percentage of Marks = (CGPA - 0.5) X 10

- (5) Notwithstanding the above, the University shall ensure that the study programme leading to M.Sc. degree shall conform, to the set norms of the UGC or the concerned statutory body if any.
- (6) General: In all matters pertaining to the program structure/courses, the decision of the Vice Chancellor of the University shall be final.
- (7) The grade sheet and the degree certificate shall be in the same manner as prescribed in ordinance No. 16 with appropriate entry.

\*\*\*\*\*

## ORDINANCE No. 46

Master of Technology (M.Tech.)

1. **TITLE OF DEGREE:** Master of Technology - M.Tech.
2. **FACULTY:** This Postgraduate course of Master of Technology (M.Tech.) will be offered in the Faculty of Engineering & Technology.
3. **ACADEMIC YEAR:** There will be two semesters.
4. **DURATION OF COURSE**
  - (1) The duration of the course will be two years divided into four semesters.
  - (2) The maximum duration available to a student for completion of M.Tech. Course shall be four years. The maximum duration of the course shall include the period of withdrawal, absence and different kinds of leave permissible to a student but it shall exclude the period of Rustication if any.
5. **ELIGIBILITY FOR ADMISSIONS**
  - (1) The minimum qualification for admission to first year of M.Tech. Curriculum shall be passing of Engineering Graduation from a recognized State/National/International University or equivalent thereto in relevant branch of engineering.
  - (2) Admission to M.Tech. course shall be offered at the beginning of each session or as prescribed by the University, at the first year level. The admission policy shall be decided by the University/ in accordance with the guidelines issued by the UGC/ All India Council for Technical Education (AICTE) / the State Government.
  - (3) The University may admit a student to M.Tech. course on transfer from other Institutes /Universities. Such admissions may be made at any level subject to fulfillment of the academic requirements of the University in respect of the program.
  - (4) The University reserves the right to cancel the admission of any student and ask him /her to discontinue his / her studies at any stage of his /her career on the grounds of unsatisfactory academic performance or misconduct with the approval of Vice Chancellor.
6. **NUMBER OF SEAT**

The class will have 20 seats and multiple sections can setup.
7. **PROGRAM FEE**

Program fee will be decided by the University with an approval of Chhattisgarh Private University regulatory commission.
8. **EXAMINATIONS**
  - (1) The University shall adopt the system of continuous evaluation consisting of various tests, quizzes etc. to evaluate progress of the student. There shall be one End semester Examination for assessing the student's performance during the programme of study.
  - (2) The detailed examination scheme for End semester Examination as well as Progress various tests for all components of the curriculum shall be as laid out by the University in this regard.
  - (3) A Student may be debarred from appearing in the End Semester Examination by the Dean of Faculty/Academic Coordinator due to any of the following reasons with the approval of Vice Chancellor:
    - (a) Disciplinary action taken against the student.
    - (b) On the recommendation of concerned Head of the department/Coordinator, if
      - (i) The attendance in the Lecture/Tutorial/Practical classes is below as prescribed in Para 10 related to attendance.
  - (4) The University shall conduct full examination at the end of each semester for the regular students. The examination will also enable those students to appear in the theory / practical courses who may have failed or missed the previous semester examination.

- (5) If a candidate has passed a semester examination in full he / she will NOT be permitted to reappear in that examination for improvement in division marks / grades or any other purpose.

#### 9. EVALUATION (ASSESSMENT ) OF PERFORMANCE

- (a) The performance of a candidate in each semester shall be evaluated for each component of the curriculum separately following the system of continuous evaluation consisting of End Semester Examination and various tests. The maximum marks in each component of curriculum shall be as per the examination scheme designed by the Board of Studies and approved by the Academic Council.
- (b) All points (marks) obtained by a student in various components of evaluation in the subject will be summed up for award of grade.

#### 10. ATTENDANCE

Candidates appearing as regular students for any semester examination are required to attend at least 75 percent of the classes held separately in each subject of the course of study provided that the Vice Chancellor may relax 15% of attendance on the genuine ground.

#### 11. CREDIT BASED GRADING SYSTEM

- (1) Each course along with its weightage in terms of credits shall be recommended in the curriculum and Board of Studies and shall be approved by the Academic Council and Governing Body. Only approved courses can be offered during any semester.
- (2) Each student registered for a course, shall be awarded a letter grade. The letter Grade Awarded to a student shall depend upon his combined performance in the end semester examination and various other components of evaluation.
- (3) The letter grades to be used and their numerical equivalents called the Grade Points shall be as per the regulations framed by the Academic Council in this regard following the recommendations of UGC's Choice Based Credit System (CBCS)
- (4) Letter grades shall be awarded for each subject
- (5) A student shall earn all the credits allotted to a particular subject in the program structure of the course, if he/she obtains a valid grade. (at least "P", meaning pass in the subject).
- (6) A student receiving Grade "F" in a subject (course) shall be considered to have failed in that subject (course) and will be required to reappear in the examinations or repeat the subject (course) again.
- (7) The Semester Grade Point Average (SGPA) for a semester is a weighted average of course grade points obtained by a student in that semester. The SGPA for each semester shall be calculated as per UGC guidelines.
- (8) The Cumulative Grade Point Average (CGPA) is the weighted average of course grade points obtained by a student for all courses taken since his admission in the degree programme and reflects the cumulative performance of a student. The CGPA at the end of the semester shall be calculated as per UGC guidelines.
- (9) At the end of each semester, SGPA and CGPA shall be calculated up to two decimal places without rounding off.
- (10) For the award of degree a candidate should have secured minimum 4.5 CGPA.
- (11) The final examination grade sheet at the end of final semester examination of the course shall show the CGPA earned in the course. The CGPA can be converted into equivalent percentage marks as per the regulations framed by the Academic Council.

#### 12. TRANSCRIPT

The transcript issued to a student after completion of the course shall contain the consolidated record of all the subjects taken semester wise by the student grades obtained in each subject, SGPA and CGPA of each semester and the final SGPA and CGPA. The transcript will also mention the division secured by the student.

## 13. PROGRAM STRUCTURE

- (1) The University can introduce Master of Technology (M.Tech.) course in the following branches:-  
Civil Engineering (CE), Computer Science & Engineering (CSE), Electronics & Communication Engineering (ECE), and Mechanical Engineering (ME)
- (2) The University shall be authorized to offer M.Tech. course in subjects allied to the list provided in Para 13(1) as per the industry requirements.
- (3) Design of Curriculum: The curriculum and scheme of examination shall be designed by concerned Board of Studies and shall be approved by the Academic Council.
- (4) Scheme of Examination and Evaluation Procedure and award of letter grades:  
**Result (Awards of Letter Grades):** The University shall follow the relative grading system as recommended by the University Grant Commission (UGC) and the final letter grades obtained will be shown as follows:

Letter Grade	Classification of the final results	Grade Points
O	Outstanding	10
A+	Excellent	9
A	Very Good	8
B+	Good	7
B	Above Average	6
C	Average	5
P	Pass	4
F	Fail	0
AB	Absent	0

Note: A student obtaining grade 'F' shall be considered failed and will be required to reappear in the examination

## Allocation of Division

CGPA	Division
$\geq 9.00$	Distinction
$\geq 6.5$ and $< 9.00$	First Division
$\geq 4.5$ and $< 6.5$	Second Division

## Computation of CGPA and SGPA:

SGPA - Semester Grade Point Average

CGPA - Cumulative Grade Point Average

The following procedure will be used to compute SGPA and CGPA:

$$CGPA = \frac{u_1g_1 + u_2g_2 + u_3g_3 + \dots}{u_1 + u_2 + u_3 + \dots}$$

Where,  $u_1, u_2, u_3...$  denotes the units credits associated with courses taken by the student and  $g_1, g_2, g_3.....$  denotes grade points of the letter grades awarded in respective courses .

Similarly, the SGPA indicates, the weightage average of the grade point of the students obtained in a particular semester only and the letter grades obtained in the subject (courses) in that semester enter in to SGPA computations.

**Conversion of CGPA to Marks:**

$$\text{Percentage of Marks} = (\text{CGPA} - 0.5) \times 10$$

- (5) Notwithstanding the above, the University shall ensure that the study programme leading to M.Tech. degree shall conform, to the set norms of the UGC or the concerned statutory body if any.
- (6) General: In all matters pertaining to the program structure/courses, the decision of the Vice Chancellor of the University shall be final.
- (7) The grade sheet and the degree certificate shall be in the same manner as prescribed in ordinance No. 16 with appropriate entry.

\*\*\*\*\*